

बदरीनाथ मंदिर

चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड के चमोली ज़िले में स्थिति [बदरीनाथ मंदिर](#) के पवतिर कपाट 4 मई, 2025 को श्रद्धालुओं के लिये खोले जाएंगे।

मुख्य बदि

- बदरीनाथ मंदिर खोलने पर नरिणयः
- **बसंत पंचमी** के अवसर पर पुजारियों ने वशिष पूजा-अर्चना के पश्चात बदरीनाथ मंदिर के कपाट खोलने का शुभ समय तय कयि।
- चार धामों का वार्षिकि समापन और पुनः उद्घाटनः
- दीवाली के बाद, अधिकारियों द्वारा **चार धाम**— [बदरीनाथ](#), [केदारनाथ](#), [गंगोत्री](#) और [यमुनोत्री](#)— भक्तों के लिये बंद कर दयि जाते हैं।
 - अगले वर्ष अप्रैल-मई में द्वार पुनः खुलेंगे।

चार धाम यात्रा

- यमुनोत्री धामः
 - **स्थानः** उत्तरकाशी ज़िला
 - देवी यमुना को **समर्पति**
 - [यमुना नदी भारत](#) में [गंगा नदी](#) के बाद दूसरी सबसे पवतिर नदी है।
- गंगोत्री धामः
 - **स्थानः** उत्तरकाशी ज़िला
 - देवी गंगा को **समर्पति**
 - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवतिर मानी जाती है।
- केदारनाथ धामः
 - **स्थानः** रुद्रप्रयाग ज़िला
 - भगवान शवि को **समर्पति**
 - [मंदाकनि नदी](#) के तट पर स्थिति है।
 - भारत में **12 ज्योतिरलिगिों** (भगवान शवि के दयि प्रतनिधित्व) में से एक।
- बदरीनाथ धामः
 - **स्थानः** चमोली ज़िला
 - बदरीनारायण मंदिर का पवतिर स्थल
 - भगवान वशिष्णु को **समर्पति**
 - वैष्णवों के लिये पवतिर तीरथस्थलों में से एक।